प्रेस नोट
दिनांक 27.06.2025

साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु साइबर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन, नवीन साइबर अपराधों से निपटने को लेकर पुलिस अधिकारियों को दी गई तकनीकी जानकारी–

गोण्डा। साइबर अपराधों की लगातार बढ़ती घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं पुलिस अधिकारियों की तकनीकी दक्षता में वृद्धि हेतु, पुलिस अधीक्षक गोण्डा श्री विनीत जायसवाल के निर्देशन में आज दिनांक 27.06.2025 को पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में साइबर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद के निरीक्षक/उपनिरीक्षकगणों उपस्थित रहे। जिसमें उन्हें साइबर अपराध की नवीनतम प्रवृत्तियों, तकनीकी साधनों एवं विधिक प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर साइबर अपराधों की रोकथाम और विवेचना में उनकी क्षमता को सुदृढ़ करना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन साइबर नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक श्री राधेश्याम राय द्वारा किया गया, साइबर एक्सपर्ट हरिओम टण्डन द्वारा प्रतिभागी अधिकारियों को वर्तमान समय में हो रहे साइबर अपराधों जैसे कि फिशिंग एवं फेक लिंक के माध्यम से धोखाधड़ी, ओटीपी/यूपीआई फ्रॉड, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, फर्जी लॉटरी/इनाम स्कैम, फर्जी हेल्पलाइन नंबर व तकनीकी सहायता के नाम पर ठगी, डिजिटल बैंकिंग व वॉलेट फ्रॉड, एथिकल हैकिंग व डिजिटल फुटप्रिंटिंग व डिजिटल अरेस्ट आदि सभी विषयों पर व्यावहारिक उदाहरणों और केस स्टडी के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि आमजन को जागरूक करने के साथ–साथ पुलिस बल की तकनीकी साक्षरता और त्वरित रिस्पॉन्स क्षमता विकसित करना आज की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी लगातार अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव कर रहे हैं, जिससे पुलिस को भी नई तकनीकों से अपडेट रहना आवश्यक है। कार्यशाला में साइबर क्राइम पोर्टल, साइबर फॉरेंसिक टूल्स, डिजिटल एविडेंस कलेक्शन, आईपी एड्रेस ट्रेसिंग, मोबाइल एंड सोशल मीडिया ट्रैकिंग जैसे विषयों पर भी जानकारी दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को जनपद पुलिस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने–अपने क्षेत्र में साइबर जागरूकता अभियान चलाएं तथा पीड़ितों की मदद हेतु तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि पुलिस की डिजिटल सशक्तता ही साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने का सबसे प्रभावी उपाय है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देकर जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया गया। प्रशिक्षण उपरांत उपस्थित अधिकारियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया तथा फील्ड ड्यूटी में इसे लागू करने का आश्वासन दिया।

मीडिया सेल, गोण्डा।